भारत सरकार
रक्षा मंत्रालय
सैन्य कार्य विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 229
02 फरवरी, 2024 को उत्तर के लिए

समुद्री डाकुओं द्वारा जहाजों का अपहरण

229. श्री ए. गणेशमूर्ति :

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान समुद्री डाकुओं द्वारा गहरे समुद्र में जहाजों के अपहरण की कितनी घटनाओं की सूचना मिली है ;

(ख) क्या हाल ही में उत्तरी अरब सागर में चालक दल के सदस्यों, जिसमें भारतीय भी शामिल थे, सहित कुछ जहाजों का अपहरण कर लिया गया था, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) भारतीय नौसेना बलों द्वारा ऐसे प्रयासों को विफल करने और व्यापारिक पोतों / अन्य जहाजों को बचाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं ;

(घ) क्या व्यापारिक पोतों और भारतीय मछुआरों की भी सुरक्षा के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में समुद्री गश्ती वाहनों की तैनाती बढ़ा दी गई है जिन पर पाक जलडमरूमध्य में समुद्री डाकुओं द्वारा अक्सर हमला किया जाता है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर
रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अजय भट्ट)

(क): विगत तीन वर्षों के दौरान समुद्री डाकूओं द्वारा गहरे समुद्र में जहाजों के अपहरण की 07 घटनाओं की सूचना मिली है।

(ख): जी, हां। व्यापारिक पोत – लीला नारफॉक का अपहरण करने की एक घटना है। दिनांक 04/05 जनवरी, 2024 को 15 भारतीय सहित 21 चालक दल के सदस्य जहाज पर सवार थे। इसके अतिरिक्त, मछुवाही पोत – आईमैन (दिनांक 28/01/2024) और मछुवाही पोत अल नईमी (29/01/2024) के अपहरण की 02 घटनाएं हुईं, जिन पर कोई भारतीय चालक दल का सदस्य सवार नहीं था।

(ग): भारतीय नौसेना समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्रीय और क्षेत्रों से बाहर की नौसेनाओं / समुद्री बलों के साथ अग्रसक्रियता पूर्वक कार्य कर रही हैं । वर्ष 2008 से भारतीय नौसेना ने समुद्री डाकूओं द्वारा जहाज अपहरण रोधी गश्त के लिए अदन की खाड़ी और अफ्रीका के पूर्वी तट में टुकड़ियां तैनात की हैं । कुल 3440 पोतों और 25000 से अधिक समुद्री यात्रियों का सुरक्षित मार्गरक्षण किया गया है । श्रेत्र में समुद्री सुरक्षा को पुनः स्थापित करने के लिए भारतीय नौसेना द्वारा मध्य अरब सागर और सोमालिया के पूर्वी तट से लगते हुए पोतों की बढ़ी हुई उपस्थिति , समुद्री गश्तीपोत / दूरस्थ पाइलटयुक्त वायुयान द्वारा हवाई निगरानी की जा रही है । अरब सागर और अदन की खाड़ी / निकटवर्ती क्षेत्र में चल रहे व्यापारिक पोतों पर सवार भारतीय चालक दल संबंधी जानकारी के लिए डीजी (पोत परिवहन) के साथ प्रभावी संपर्क एवं समन्वय और सहयोगपूर्ण ढंग से शीघ्र प्रतिक्रिया के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा एजेंसियों के साथ भी सूचना का आदान-प्रदान किया जाता है । इसके अतिरिक्त, भारतीय नौसेना द्वारा क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को बनाए रखने के लिए उन क्षेत्रों में संचालित मछुवाही पोतों / डाऊ की जांच भी की जा रही है ।

(घ) और (ड.): भारतीय नौसेना क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा बहाल करने के लिए पोतों की तैनाती, मध्य अरब सागर और सोमालिया के पूर्वी तट से लगते हुए क्षेत्र में समुद्री निगरानी वायुयान/दूरवर्ती पाइलटयुक्त वायुयान द्वारा हवाई निगरानी बढ़ा दी है । पाक जलडमरूमध्य में जलदस्युता की घटना नहीं होने की सूचना प्राप्त हुई है ।

******